Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding Elephant menace in Jharkhand

श्री सुनील सोरेन(दुमका): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने के लिए अवसर प्रदान किया है, इसके लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं।

महोदय, झारखण्ड में हाथियों का आतंक अब एक स्थायी समस्या बन चुकी है । झारखण्ड के अलावा सीमावर्ती राज्य बिहार और ओडिशा में भी हाथियों के आतंक से जान-माल का भारी नुकसान होता है । साल भर जंगली हाथी इन राज्यों में खुलेआम विचरण करते हैं और जंगलों से बहार निकलकर फसलों के साथ ही जान-माल को भी क्षति पहुंचाते हैं । हाथियों के संरक्षण को लेकर पूर्व में भी प्लान बनते रहे, लेकिन झारखण्ड में तेजी से घट रहे जंगल क्षेत्र और हाथियों के भोजन की समस्या अब विकराल रूप ले चुकी है । ऐसे में जान-माल की सुरक्षा और व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए हाथियों के विचरण वाले क्षेत्र में एक ऐसे कॉरिडोर का निर्माण कराया जाए, जिससे हाथियों को पर्याप्त भोजन मिल सके और वे जंगल से निकलकर घनी आबादी वाले इलाकों में नहीं पहुंचे ।

इससे पर्यावरण के साथ वन्य प्राणी संरक्षण का ध्येय भी मजबूत होगा । मैं आपके माध्यम से विभागीय मंत्री जी से मांग करता हूं कि इसका समाधान किया जाए, ताकि किसानों की फसल एवं जान-माल की क्षति को रोका जा सके ।

श्री सुनील कुमार (वाल्मीकिनगर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में अति लोक महत्व के विषय पर अपना विचार रखना चाहता हूं ।

माननीय अध्यक्ष : क्या आप सदन में पहली बार बोल रहे हैं?

श्री सुनील कुमार : सर, हां ।

माननीय अध्यक्ष : धन्यवाद।

श्री सुनील कुमार : महोदय, मेरा लोक सभा क्षेत्र वाल्मिकी नगर, जो बिहार राज्य के अंतर्गत आता है । यहां पर केन्द्रीय विद्यालय न होने के कारण इस लोक सभा क्षेत्र के केन्द्रीय कर्मचारी एवं आम बच्चे अभी तक केन्द्रीय विद्यालय का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं । अत: मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि मेरे लोक सभा क्षेत्र वाल्मिकी नगर में केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना करने की कृपा की जाए । आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।